

1999

विशेष पत्र मुका १२००० तमामा। आगती मालिकाना १३१२५ तमामा।
 मालिकाना २६२५ कोपुर। (२५) तमामा प्रति कोपुर। आस पास
 मालिकाना महीरेर हों आवास एवं विकास हो स्थापन मुका १२२२५० तमामा।
 मैं कि राम लाल नेहदी २०५ पुत्र श्री तुलसी दास
 नेहदी २०५ निवासी B-67 कालका जी नई देहली
 का हूँ।

मैं स्वस्थ मन एवं चित्त से और स्वेच्छा से निम्नलिखित सम्पत्ति को जिसका मैं एकमात्र स्वामी और
 बेचने का पूर्ण अधिकारी हूँ और जो हर प्रकार के करजे, भार, सामी, अंशो और हस्तान्तरण से मुक्त एवं
 शुद्ध है को मुका १२००० आर २६-६५।
 रुपये में कि आधे जिसके मुका ६०००० आर ६५।
 रुपये होते हैं वदस्त श्रीमती सुदशी आर श्रीमती रसमी आर
 नि० १५/१३ मोहन आर १३ आर १४ श्रीमती स्वाति लता पुत्री
 श्री माता (नि० नि० कलकाल गद नि० विमाना ५/६ भाग।

के हाथ बेच दी है और कच्चा दखल मालकाना व वाकई अनौ सम्पत्ति विक्रीत से उठाकर कच्चा
 दखल मालकाना व वाकई उस पर क्रेता उक्त का वखूबी तौर पर करा दिया है। अतः इकरार
 करता हूँ और लिख देता हूँ कि उक्त क्रेता सदैव सम्पत्ति विक्रीत पर मालकाना काबिज व
 मुतमफिर रहे और उसको जिस तरह चाहे अपने तसहफ इस्तेमाल मालकाना में लावे और
 कागजात सरकारी में बलाने मिलकियत अपन नाम दर्ज करा लें। अब मेरा या मेरे किसी
 वारिस या कायम मुकाम का सम्पत्ति विक्रीत या उसके किसी अधिकार से कोई सम्बन्ध बाकी
 नहीं रहा है और न आइन्दा को होगा आज की तारीख से उक्त क्रेता को पूर्ण अधिकार
 मालकाना, इस्तेमाल व इन्तकालात वगैरा हर किस्म के हासिल हो गये हैं अब मेरा किसी
 प्रकार का कोई अधिकार किसी किस्म का सम्पत्ति विक्रीत में बाकी नहीं रहा है और न
 आइन्दा होगा अगर आइन्दा कच्चा दखल मालकाना या वाकई उक्त क्रेता में कुछ हरज या खलस
 किसी किस्म का आयद आवे या बेवजह दावेदारी किपी शख्स शरीक सहोम या हकदार निफालतदार
 के उक्त सम्पत्ति विक्रीत या उसका कोई अंश खरीदार के कच्चा दखल मालकाना या वाकई
 से निकल जावे तो उक्त क्रेता को अधिकार प्राप्त होगा कि अपना विक्रय-धन मय हरजे व
 खरचे मय व्याज कानूनी हर प्रकार के सम्पत्ति विक्रीत व अन्य सम्पत्ति व जात खास मेरीसे
 जिस तरह पर चाहें वसूल कर लें और कुल विक्रय धन निम्नलिखित व्योरे अनुसार खरीदार
 से वसूल पाया। अतः यह विक्रय-पत्र लिपिबद्ध कर दिया कि प्रमाण रहे।

व्योरा सम्पत्ति :— जो कि एक प्लॉट नं० ४ जिसकी प्लान २५

Ram Lal Mehra d/o



श्री राम
2187/50
10937/50

36/12/-
श्री राम

5/- 162/- 1000
श्री राम

श्री राम नाम सह 20 दस्ता पुत्र श्री कुलसी पासजी
निवासी B67 आनंदपुरा में पड़ोसी - 19 Rtd.
ने कार्यालय सब-रजिस्ट्रार हरिद्वार में आज दिनांक
28.11.78 बीच समय 3 बजे
दिन के प्रस्तुत किया मस नं-37

Ramlal mehandiratta

KBSaxena

28.11.78

इस लेख पत्र के निवरण का लान व समय के
तथा...

Draft no. लेख पत्र नं. 37
जिसका पीछेवाग श्री राम नाम जी ने स्वीकार
पास पुत्र श्री राम नाम पुत्र श्री लखन
ने श्री निरंजन पुत्र श्री लखन पुत्र श्री
श्री राम तनेजा नाम पुत्र श्री लखन
ने श्री

KBSaxena

28.11.78

Ramlal mehandiratta

KBSaxena



चिन्ह अंगुष्ठ मवाहान जो मल्ले प्रतीक
होते हैं नियमानुसार लिये गये
28.11.78

1000Rs.



विक्रय पर शुद्ध ३१२५ रु. पूर्व - ४२ फुट / पश्चिम -

४२ फुट / उत्तर - ५६ फुट / दक्षिण - ६८ फुट ऊपर

शेड प्रमाण '२६२५' दबवीस से पच्चीस की फुट हो

गिरफ्त पूर्व - भारत नं २ / पश्चिम - सड़क P.W.D.

हस्ताक्षर
Ram Lal mehra/altu



उत्तर रास्ता १० फुट। दक्षिण - रास्ता १५ फुट है।

रिपट आगे नाल ज्वालपुल मराना ज्वालपुल अंदर

सीमा नाल पारिना सफ़ाई हेतु जिला

संदा ज्वालपुल है उक्त प्लॉट सड़क P.W.D. पर है।

है
Kum Lal Meachandani



सड़क से लगभग ४ फुट की गहराई में हो व रेलवे

स्टेशन जवाहरपुर से लगभग १ 1/2 K.M. की दूरी

पाटे जिसकी बीजत दल मु लप्या परिवर्तित

हो —————
Ramlal mehnadivatta



मुंबा १३१२५) लप्पा होती है जिस पर स्टाम्प लगाया

गया है मैंने एक प्लेट की चूनी लाल गांधी आई

से का २५ दिसंबर १९४९ प्रकाशित का २५ दिसंबर १९४९ बही का

१ जिल्द १० सेफा १२६ का २३५ पर जिसकी—

हो —————
Ram Lal mehnadivatta



रजिस्ट्री एपेका हुई थी खरीद की थी।

मेरे का १-४-६२ के बाद कोई जापदाद हस्ताक्षर

नहीं की व शेष कोई शक्ति नहीं है। —

अतः यह विक्रम पत्र लिल दिया कि उलगा रहे।

हउ

Ram Lal Mehndiratta



1
1000 90 1000 :- 1000 1000 1000 1000 1000 1000

डॉ॥ सुप्रभात नं० DD 77/2 552979 श्री सुभाष मोवालीजी कर्वे

जाली (अ. 3.42 नं. 77/552980 अ. 4/1022-99-62)

उच्च शिक्षण आवासीय बैंक अलकनण्ड नगर देहली राजस्थान

दक्षिण गङ्गा $\frac{3}{4}$ मील-पल्लो स्तर पर बिजली उत्पादन

Ram Lal Mehndiyal to Shri Sankar
 Dev Pura Hardwar

इस्तावज लक्षक का नाम सुभाष चन्द्र मल्ल

प्रतुष्टि संख्या ३५ तिथि 31-12-78

तथा विधिनाम

जिला और स्था: उद्वार जिला सहारनपुर

दी गई है। प्रश्न संख्या

हस्तावेज लेखक का हस्ताक्षर सुभाष-अनन्तर

no 22/19/62

विक्रय पत्र मुब० २९८६.२०) लपचा। शेखपल थर्क ४२६-६"
की छुट आनी ४०.६३ की मीटर/दा ५) लपचा पति की छुट
आनी ५३.८०) लपचा पति की मीटर/आसपास की थर्क का
भी पहीरेट है। आवास एवं विकास/होस्टाज मुब०
२३६.३०) लपचा। के. ७ की सीमती सुदर्शन कुमारी की पत्नी
श्री सत्यपाल कुमा निवासी ११/१३ मो. ए. आडा।
ज्वालापु (जिला सदागु) की है। केनता ०९-४-६-८
के बाद कोई जायदाद हस्तान्तरित नहीं की व शेष
कोई थर्क नहीं है।

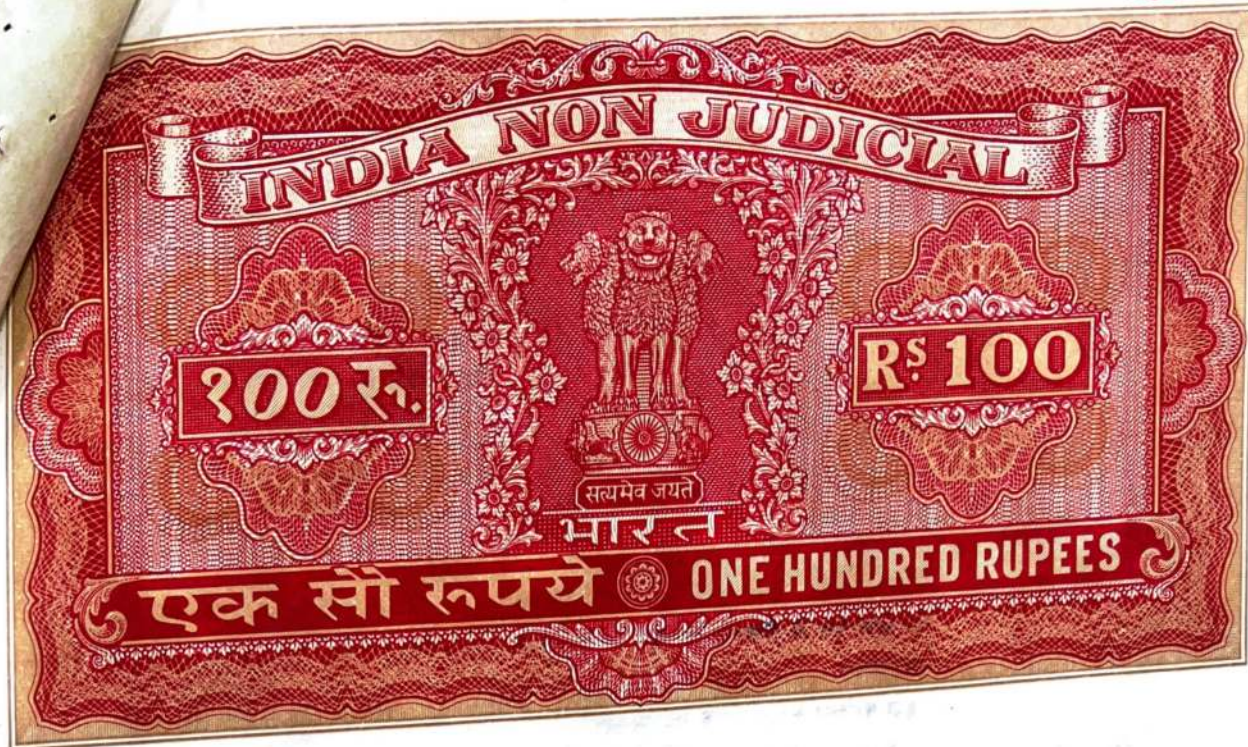
मैं स्वस्थ मन एवं चित्त से और स्वेच्छा से निम्नलिखित सम्पत्ति को जिसका मैं एकमात्र स्वामी और
वेचने का पूर्ण अधिकारी हूँ और जो हर प्रकार के करजे, भार, साभी, अंशों और हस्तान्तरण से मुक्त एवं
शुद्ध है को मुब० २९८६.२०) की दजा एक से सतासी हठपचास रुपये
रुपये में कि आवे जिसके मुब० ५०६३.६५) एक दजा विशुद्ध लपचा हठपचास
रुपये होते हैं वदस्त श्रीमती स्वाति लता पुत्री श्री माग राक
जी निवासी कान जल गढ़ जिला बिजौली

के हाथ बेच दी है और कब्जा दखल मालकाना व बाकई अपनी सम्पत्ति विक्रीत से उठाकर कब्जा
दखल मालकाना व बाकई उस पर क्रेता उक्त का बखूबी तौर पर करा दिया है। अतः इकरार
करता हूँ और लिख देता हूँ कि उक्त क्रेता सदैव सम्पत्ति विक्रीत पर मालकाना काबिज व
मुतसफिर रहे और उसको जिस तरह चाहे अपने तसर्फ इस्तेमाल मालकाना में लावे और
कागजात सरकारी में बखाने मिलकियत अपने नाम दर्ज करा लें। अब मेरा या मेरे किसी
वारिस या कायम मुकाम का सम्पत्ति विक्रीत या उसके किसी अधिकार से कोई सम्बन्ध बाकी
नहीं रहा है और न आइन्दा को होगा आज की तारीख से उक्त क्रेता को पूर्ण अधिकार मालकाना,
इस्तेमाल व इन्तकालांत वगैरा हर किस्म के हासिल हो गये हैं अब मेरा किसी प्रकार का कोई अधिकार
किसी किस्म का सम्पत्ति विक्रीत में बाकी नहीं रहा है और न आइन्दा होगा अगर आइन्दा कब्जा
दखल मालकाना या बाकई उक्त क्रेता में कुछ हरज या खलल किसी किस्म का आयद आवे या बेवजह
दावेदारी किसी शख्स शरीक सहीम या हकदार कफालतदार के उक्त सम्पत्ति विक्रीत या उसका कोई
अंश खरीदार के कब्जा दखल मालकाना या बाकई से निकल जावे तो उक्त क्रेता को अधिकार प्राप्त
होगा कि अपना विक्रय-घन मय हरजे व खरचे मय ब्याज कानूनी हर प्रकार के सम्पत्ति विक्रीत व
अन्य सम्पत्ति व जात खास मेरे से जिस तरह पर चाहें वसूल कर लें और कुल विक्रय घन निम्नलिखित
व्यौरा अनुसार खरीदार से वसूल पाया। अतः यह विक्रय-पत्र लिपिबद्ध कर दिया कि प्रमाण रहे।

व्यौरा सम्पत्ति :— जो कि एक लपचा ००४ आ ३६ एक बर

घः माग जिसकी पैमाना थी- ४१ छुट/पट्टि-पल-

ह० सुदर्शन कुमारी



४३५२ | ३४-५६५२ | दफ्तरी धर्तृ पत्र

कोट- सैफुल २६२५ दफ्तरी सोपरीस

को पत्र- अकदर ४३६ को पत्र- दफ्तरी ३०५

दफ्तरी सुदर्शन कुमार

864 ६४५५ ६४५५ १०५५ (वर्णलता ५५५)
 २८१३/८० आगला जी किताब /

✓

— श्रीमान —

५५५५) ५५५५ ५५५५ ५५५५
 ५५५५ ५५५५ ५५५५ ५५५५

५५५५ ५५५५ ५५५५ ५५५५ ५५५५
 ५५५५ ५५५५ ५५५५ ५५५५ ५५५५
 ५५५५ ५५५५ ५५५५ ५५५५ ५५५५
 ५५५५ ५५५५ ५५५५ ५५५५ ५५५५

श्री सुदर्शन कुमारी
 ने श्रीका किया यह चाण श्रीदिनेन्द्र
 कुमारी श्री सुदर्शन लाल पेशा व्यापार

निं आडा ज्वालापुत्र श्री हाक चन्द्र
 महाराज लालक हरिद्वार के श्री
 सुदर्शन तथा गवाहा के श्री चन्द्र
 सुदर्शन किया / कवज श्री निज भादमिन्दे

ने कारना ५५५५ ५५५५ ५५५५ ५५५५ ५५५५

सुदर्शन कुमारी

५५५५५५५५
 (५५५५ ५५५५५५५५)

श्रीमान ५५५५ ५५५५
 ५५५५५५५५



५५५५ ५५५५ ५५५५ ५५५५ ५५५५

100Rs.



चा.स.सेलीस की छत-दः की रज्ज होजिमक

प्रवे - लवट नं २ / पोरि पान - सडुक P.W.D. 1

उचा - शास्ता १० छत - 1 दमिगा - शास्ता प्रकुट्टे

हो सुदर्शन कुमार

7RS

30Rs.



नौदिवस आदि नगर जवालगुमिल

सहाय्य पालना जवालगुमिल

दीना नगर पालिका सचिव दीना

हो सुदर्शन कुमारी



है एक बार सड़क पर लगे हुए सड़क से

लगे हुए ४ फुट गहराई में है और लगे

स्टेशन बजाया है लगे हुए १२ फुट की

की डरी पर लगे हुए किसी भी तरह का मंजूर

है सुदर्शन कुमार



जहाँ की छत से छुका २९२६.५० रुपया हावी हो

मत! यह विक्रय जहाँ लिख दिया कि सम्पन्न हो

राज्य का जोर! - कुल छुका २९२६.५० रुपया

पहल व्युल जाया / तब ३५/३२०

हो सुदर्शन कुमारी २०० सुभाष चन्द्र बोस शान्त चन्द महल
दिल्ली ६१६५८

वस्तुविज्ञान लेखक का नाम सुभाष चन्द्र बोस

वस्तुविज्ञान सभा ५५ दिनांक २९-३-४०

तक विधिमान

जिला और स्वायत्त शासन जिला सहारनपुर

श्री गद्दी कीर्ति ३५० रुपया

वस्तुविज्ञान लेखक का, इस्तेमाल

सुभाष चन्द्र बोस

२९३२०.